तुबारि

www.pangi.in
पंगवाड़ी, अंग्रेजी, त हिन्दी भाषा अन्तर असी।

Issue - 105
July, 2021

इस मेहने तुबारि संस्करण तुसी हरालण जे अस सुआ खुश असे। छने पढ़ुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड्डे दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए। धन्यवाद

	विषय सूची	

1.	माता बेलीन वेसनी कथा	2
2.	जिन्दगी जंग	5
3.	बचपण	6
4.	से हिम्मटे बाड़ी कुई	6
5.	हें हिमाचल प्रदेश	7
6.	मेह्णु मकसद	8
7.	तुईंए	9
8.	चुटकले	10

माता वलीन वासनी कथा

ई कथा किछ ईं असी। जेसे बारे अब अस तुसी बताते, अ हें पांगेई यक कुई बारे असी। जेन करन्या रुप अन्तर हें पांगेई करेस जगाई बलोस नउए यक ग्रां भंतौण खानदनी अन्तर जमो थी। टेम बितता गा। से करन्या उम्री हेसाब जुओई मोटींती गई।

हियुंते मेहना लगो थिए त तेन्हि टेमी जुकारू लगणे बाड़े थिए। सल्हे बहलु खाण केआं पहले से करन्याईं अपु बोउ केआं ऐंछी खाण जे मगण लगी। तसे बोउए बोलु "कुईए इन्हि टेमी डंगे डाहार अन्तर मोउं तोउ जे ऐंछी कोठिया आण्हिण। कुई हठे अगर बोउ मजबूर भोई गा। बोउए ना करणे बेलि कुई उशकी गई। बहलु खाण कैआं पता तेन कुई भाने माजे त जुठियार फटाण जे दुई दले छल जाई त बहरी घेई गई। से कुई तेन्हि दुई जाओ दलहुणु छली सहारे घेई गई। अन्तर बोउ अकेला तेस केहि टेम तकर भाड़ता रिहा।

जिखेईं सुआ चेरे भु त तसे बोउ बहरी गा त तेन ईएर ओवर हेरु, पर कुई न काई। अजागता तसे नजर खड़िया लगी से हेरता त कि हेरता। तिखेईं तकर तसे कुई जाई कइ घंगीत अगर पुज गो थी। ईं हेर कइ बोउ कुई दुख अन्तर टीर नचोणण लगा त अपु कुई पता पता खड़िया जे दौड़ा। तेन कुई अपु बोउ अपु पता एन्ता काई छड़ा। कुई बि अपु बोउ जुओई तीं प्रेम कतीथ त तेन यक दले छल अपु बोउ जे तठि छई। त अपफ यक दले छली सहारे जाई कइ टटण ग्रां पुज गई। किछ टेमी बाद तसे बोउ बि दौड़ता दौड़ता तेस जगाई पुज गा त तिखेईं तकर तसे कुई छपत भोई गओ थी।

विषय सूची

तेठि तसे बोउ हिकि हिकि रोलुण लगा त तिहांणि निन्दरी भारे घेई गा। निन्दरी भारे तेस सुपन अओ त तेन करन्याई बोलु "बोउआ तु किस रोलुण लगो असा? अउं मताई रुप भुओ। मोउं तुं घरे फेटु पहाण जमुं थियु।" से करन्या हर साल जेठ मेहने पूर्नि अपु बोउए हथा रोठि खांतीथी।

बोउ जिखेईं अपु कुई धे भोग देण लगो थिया त से अपु पठ पलाठी बशा। जिखेईं माता भोग खाई बिशतीथी त से अपु मगाई टणकांतीथी त तसे बोउ मगाई टाई कइ वापस गी जे एई घेन्ताथ। टेमे हेसाब जुओई बोउ बि सियाणा भोई गा। से हंठण फिरण लेख ना रिहा। तेन्के गीहे कम करण जे कोई न थिया त करन्या रुपी माता जे भोग बि देण थिया। तेस करन्याई बोउए मजबूर भोई कइ अपु गी यक नौखर रखा। नौखरे धे गीहे कमी जुओई साते साते यक खास कम होरु बि दुतु। से कम माता जे भोग देण थिया।

यक रोज जिखेईं नौखर करन्याइ रुपी माताई जे भोग देण जे लंघा त करन्याइ बोउए से नॊखर खरा समझाई बुझाई कइ बोलु कि माताई जे कीं भोग लाण। पर नौखरे मन अन्तर त कछ होरु चालो थिउ। नौखर माताई दर्शण करण चहांताथ। पर तेसे मन अन्तर पाप भोई गओ थिया। नौखर जिखेईं करन्या रुपी तेस माताई जे भोग ला त माताई भोगे मंगाई टाण जे हाथ अगर किया त जिहांणी करन्या रुपी माताई अपु हाथ अगर जे की तिहांणी तेन पापी नौखरे करन्या रुपी माताई हाथ टाणे कोशिश की।

विषय सूची

नौखरे ई कम करणे बोले माताई ती लेहेर एई गई, त माताई अपु खुरे बाई नौखर बठ लते दिति त से नौखर दुर ना अन्तर झाणी गा। होर अपु बोउ जे बोलु “बोउआ! अगर तुस मोउं जे भोग न आणि ना बठतेथ त ए पापी मेह्णु किस लंघा। माताई नौखरे एस कुकर्मे लिए अपु बोउ जे शराप दता कि एस नौखरे बेलि तु में अन्त नेणे कोशिश की। अब अउं तुसी शराप देंती कि माघ मेहेन तुं गी बलोस आग लोती लगो, तेसे साल जेठि बेलिन माताइ करन्या रुप अन्तर जन्म नियो। माघ महेन तेस घर आग लग गई। पर तेस घर अन्तर खेलतीथ तेस जगहाई कुछ न भु। पर तेसे बोउ बि तेस आग अन्तर एई गा। पर कुई हेर कइ अपु बोउ वरदान दिता कि “तु नाग बण।”

तेस कियां बाद माताई अपु सिवपुजा करण जे यक पलण कियां यक पुजरा कढ़ा। तेसे हाथ अन्तर यक गुगले काछि बि साते थी। त से माताई सिवपुजाई लगी गा। इन्ही टेमी बि हर साल पुजारे बाग चेखुरु एनु मेतु। त पुजारा जेठे अवास चेखुरु एनु घि मने माताई जे भोग नेन्ता। माता राणी आज बि जेस केसे सुपने अन्तर मेण भुई त करन्या रुप अन्तर मेती। माता सोभ के घर पुर भरणे वरदान देन्ति।

लेखिकी टिम

बबीता कुमारी, विनोद कुमार

विषय सूची

जिन्दगी जंग

'जिन्दगी' नऊ सद मौज मेस्ती न भो। एस अन्तर दुख सुख एन्ते घेन्ते त नराश बि भुण पड़तु। जिन्दगी अन्तर केहि लिगी ई बि भोई घेतु जेन्के बारे असी कदि सोचो न भुन्तु। केहि लिंगि खरे खरे कम करणे बेलि बि बुरु भोई घेन्तु। किस्मत अगर असी जो गलत कती त ए दुखे बोक भो। पर अगर ई कुछ भोई ई गओ भोल त अस की कइ बठते। लियरी हुशेरी देन्ते या फि किस्मते लेख समझी कइ अगर हांटते घेन्ते? ए फैंसला तुसी करण असा कि तुस सद रोलते रेहन्ते या दुख अन्तरा निस कइ अगर घेन्ते। इन्द्रधनुष बणण जे बि धुप त मेघ दुहि के जरुरत भुन्ति।

हें जिन्दगी बि कुछ ईहांणि असी। एस अन्तर सुख असे त दुख बि असे, भलु त बुरु बि असु, टगडियार असी त अन्हारु बि असु। जिखेईं अस मुसीबती के सामणा सुसुर कते त अस हउ बि सुआ पक्के भोइ घेन्ते। अस अपु जिन्दगी सोब दुख अपु वश अन्तर त न कइ सकते, पर तेन्हि जोई अस अराम जोई लड़ी सकते। ए आसी पुठ असु कि अस तेसे सामना केस हिसाब जोई कइ सकते। अस जीतणे बाड़े तेसे ईं बरताब कते य हारणे बाड़े ईं। हें किस्मत हें मुर्हें बेलि न बल्कि हें आदते बेलि बणती। अगर हलात खराब भोई घिएल त ए असी पुठ असु कि असी तेन्के सामणा हिम्मत जोई करण या हुशेरी दी कइ नश घेण।

हिम्मत करणे बाड़े त जरूर जीतते। जिन्दगी जंग सेईंये जीतते जे दुखे टेम जीणे हौंसला रखते।

विषय सूची

बचपण

फियुड़ फुलते यक लिंगी, बचपण एन्ता नाओ घड़ी, घेड़ी
हे बचपण, तु दुबारी फि आई, कुछ यादे असी तें असी केईं,
कोठि नियोक गा, कोठि गड़ी गा तु,
यक अन्हारी ई याद छड़ दी कइ गा तु
से बचपण खयाल, से तेखैं कण बोके
से खोलणे दोड़णे दन, से मोज मेस्ती रेती
हे बचपण, तु दुबारी फि आई,
फि यक लिगं दर्शन दे तु
जिन्दगी अन्तर जीण शचाली गा तु,
हे बचपण, तु दुबारी फि आई

से हिम्मते बाडी कुई

ईए टिरी के तारा थी अउं,
बोउए सुपनी के पुरे करणे आश थी अउं,
भेणी सुसुर बथ हरालणे बाड़ी थी अउं,
भेईए रक्षा बन्धने बझह थी अउं,
पर यक पल अन्तर थुसी छेइ, तेन्ही सोब खुशी
शयद तेन्के हबसे सिध (नशाणा) थी अउं,

दुनीए अन्तर अब त नेइ अउं,
पर आत्मा किए आज बी जिन्ती असी अउं,
हजारो कुई खेड़ेरणे मसाल भो अउं

विषय सूची

हें हिमाचल प्रदेश

हें हिमाचल प्रदेश सम्हाई केआं न्यारा असा,
ए देवी देवती के धरती भुओ।
ऐन्के बेलि हिमाचले शान सुआ बधो असी,
हें इ धरती तीं अब्बल असी।
इस देव धरती बठ केहि किसमी तीर्थ स्थान असे,
बोडे बोडे ऋषि मुनी इस धरती बठ जमो थिए।
किछ ईहांणि असा इस देव धरती इतिहास,
इठि जमे केहि वेद व्यास।
इठि डंगे बइ भरिए बोडे बोडे फाट,
जेन्के बेलि नाई के टश मुखी घेन्ती।
अलुण, मटर, सेऊ, चिहरी,सब्जी,

ए सम्हाई भुओ हिमाचले मेह्णु के जीणे आश।
इठि सेऊ भुओ फली के राजा,
सोबी लगते ए ट्यारे त टाजे।
इठि हमेशा दुध घियुए अलाल लगो असे,
लगतु से असी टयारु इ टयारु।
चोहरो कना असा नंउआ नंउआ नजारा,
तोउं त लगतु हिमाचल सोबी टयारु।
रोहतागे बणी जिखेईं केआं टनल,
लाखो मेह्णु एन्ते रोज हिमाचल।
खरा हें हिमाचल, अब्बल हें हिमाचल।

विषय सूची

मेह्णु मकसद

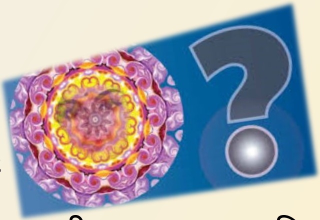

आजकल विज्ञाने हिसाब त तीं दौड़ी दौड़ी चलती हें जिन्दगी, आजकले हे सोबी के जिन्दगी सुआ कमुणे घेन्तेई बझई जोई मेह्णु अपु जिन्दगी केही सच्चाई बारे सोच बी न बठता कि अउं कोउं भो? अउं इस धेरती बठ किस अओ असा? होर अउं को जे गओ असा? इस किस्मी केहि सुवालि के जवाब अलग अलग हें दमाख अन्तर बशते। अस जेस बोक सुसुर मानते तेसे अपु जवाब मानी छते। केहि मेह्णु समझते कि इस दुनिए अन्तर कोई सच्चाई नेई। सोब किछ यक सुपने ई असु।

केहि मेह्णु समझते कि केसे बोडी घटनाई बेलि धेरती बुठ सम्हाई कुछ बणु। इस धरती पुठ जे मेह्णु समझता कि मेह्णु अपफ बण, से इस सच्चई कियां सुआ दुर असा। मेह्णु, जनवार, बुटे धुटे, तारे त पुरी दुनिया केसे मेह्णु बेलि नेइ बणो। एसे जबाब यकदम साफ असा कि ए सोभ किछ भागवाने बेलि असु। होर इस दुनिए अन्तर जिन्दगी देणे बाड़ा भगवान असा। हें अन्तर्आत्मा कियां यक आवाज एन्ती रेहन्ती कि कोउं असा, जेन सोब कुछ बणओ असु। त से भो भगवान। अस अपु अन्तर्आत्मा अन्तर तकर जाणते कि यक

शाक्तिशाली तागत असी, सेईंए भुंमण रचणे बाड़ा भो। होर बजन शके सेईंए शुचा परमेश्वर भो। हें सम्हाई धर्म ग्रांथी बठ लिखो असु कि हें पापी के बझई जुओई भगवान असी केआं दूरा असा। तोउं त से हें नजरी केआं दुरा असा।

विषय सूची

एसे मतबल ईं नेई कि सच्चे बि भगवान नेई। अस ब्यार हेरी ना सकते पर ईं जाणते कि बियार असी। दिसे रासण त असी, पर से केती कसे नऊ किस कि से तागत भो। पर एन्के भुण सोबी पता असा। मेह्णु के सम्हाणि अओ समस्या जीं दुख तकलीफ, बीमारी पापे सज्जा भो। होर ए हें पापे कमि के बेलि हें जिस्म अन्तर एन्ती। भगवान हर चीजी पता असा। त ए हर टेम मेह्णु जुओई साते भुन्ता, ताकि से हर टेम मेह्णु मदत कइ सकियाल। तोउं त मेह्णु जपल बि भगवान सूरता त से तसे मने शुणता।

तुईंए मालिखा

तुं घीत लेउ, तुसी जोई साते बशता अउं,
मोउं मेति जिन्दगी खुशी तुसी अन्तर मालिखा।
तुईंए त में मंजील भो मेलिखा, तुईंए में बत।
तुईंए में टगड़ियार भो मालिखा, तुईंए में भगवान।
तुईंए में जिन्दगी भो मालिखा, तुईंए में स्वर्ग।
तुईंए में शांन्ति भो मालिखा, तुईंए में नाथ।
तुईंए में चौने शोलियार भो मालिखा
तुईंए अमर जीवने झरिऊं*।
तुईंए में शक्ति भो मालिखा, तुईंए में तागत
तुईंए में वुध्दि भो मालिखा, तुईंए में ज्ञान

[* सुआ सौ साल पुराणि हियांण]

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ई सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहली बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

<u>तुबारि संपादकीय टीम</u>

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

चुटकले

मशटरे गेभुरु कियां पुछ्:- काकल केस जे बोते।

पपु बोलु:- काकल यक गरीब मगरमच्छ भो,

जेस मठड़ियार बोर्नबिटे बाड़ु दुध न मेऊ।

विषय सूची